नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

आतंकवाद पर निर्णायक लड़ाई का संदेश

किर्गिजस्तान की राजधानी बिश्केक में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति को एक बार फिर स्पष्ट शब्दों में सामने रखा. एससीओ की 25 वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित इस मंच पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग समेत सदस्य देशों के शीर्ष नेता मौजूद थे. ऐसे समय में मोदी का यह कहना कि आतंकवाद के सुरक्षित ठिकानों को ध्वस्त करना होगा और आतंकियों के वित्त पोषण के पूरे तंत्र को खत्म करना होगा, महज एक सामान्य कूटनीतिक वक्तव्य नहीं था. यह आतंकवाद को संरक्षण देने वाली ताकतों के लिए स्पष्ट संदेश था.

भारत लंबे समय से इस बात पर जोर देता रहा है कि आतंकवाद को केवल आतंकियों को निशाना बनाकर समाप्त नहीं किया जा सकता. आतंकवाद एक संगठित व्यवस्था के रूप में काम करता है, जिसके पीछे वित्त पोषण, हथियारों की आपूर्ति, भर्ती, कट्टरपंथी विचारधारा, प्रशिक्षण और सुरक्षित ठिकानों का पूरा नेटवर्क होता है. इसलिए प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को केवल कार्रवाई और प्रतिक्रिया तक सीमित न रखने की बात कही है. यह दृष्टिकोण आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार करने की आवश्यकता को रेखांकित करता है.

भारत के लिए यह संदेश इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि सीमापार आतंकवाद दशकों से उसकी सुरक्षा के लिए चुनौती बना हुआ है. पाकिस्तान का नाम लिए बिना भी मोदी का संदेश पूरी तरह स्पष्ट था. अंतरराष्ट्रीय मंच पर किसी देश को सीधे कठघरे में खड़ा करने के बजाय आतंकवाद के पूरे इकोसिस्टम को निशाना बनाने की रणनीति भारत को व्यापक वैश्विक समर्थन दिलाने की दिशा में अधिक प्रभावी हो सकती है. अब दुनिया के सामने चुनौती यह है कि आतंकवाद को किसी भी राजनीतिक, रणनीतिक या कूटनीतिक सुविधा के आधार पर अलग-अलग नजरिये से देखने की प्रवृत्ति समाप्त हो.

एससीओ जैसे संगठन की भूमिका इस संदर्भ में और महत्वपूर्ण हो जाती है. यह ऐसा मंच है, जिसमें भारत के साथ चीन, रूस और मध्य एशिया के कई देश शामिल हैं. इन देशों के सुरक्षा हित अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन आतंकवाद का खतरा साझा है. आतंकवाद के वित्त पोषण, कट्टरपंथ और आतंकी नेटवर्क से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास इस संगठन की प्रभावशीलता बढ़ा सकते हैं. शिखर सम्मेलन में भारत ने एससीओ को सुरक्षा, कनेक्टिविटी और अवसर के तीन स्तंभों पर आगे बढ़ाने का दृष्टिकोण भी रखा. यह बताता है कि भारत की सोच केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है. क्षेत्रीय स्थिरता के साथ आर्थिक सहयोग, संपर्क और विकास के अवसर भी जरूरी हैं. सुरक्षित वातावरण के बिना कनेक्टिविटी और आर्थिक प्रगति संभव नहीं है और आतंकवाद के साये में क्षेत्रीय सहयोग भी कमजोर पड़ता है. बिश्केक से भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई अब केवल आतंकियों को मारने तक सीमित नहीं रह सकती. उसके पीछे खड़े पूरे तंत्र को निशाना बनाना होगा. यही आतंकवाद के स्थायी समाधान की दिशा है.

एससीओ को यदि वास्तव में क्षेत्रीय सुरक्षा और सहयोग का प्रभावी मंच बनना है तो उसे आतंकवाद के सवाल पर दोहरे मापदंड छोड़कर साझा और निर्णायक कार्रवाई की दिशा में आगे बढ़ना होगा. भारत का संदेश इसी वैश्विक सहमति की जरूरत को रेखांकित करता है.

युद्ध खत्म करने की अपील का कितना असर

ईरान से चल रहे युद्ध को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप इतने कुंठित हो गए हैं कि उन्होंने जंग का एक नया मैदान खोज निकाला है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का दायरा, जिसमें वह की-बोर्ड की मदद से ईरान के तेल टर्मिनल नष्ट कर रहे हैं. 30 अगस्त की रात को उन्होंने एआई की मदद से बनाया गया वीडियो पोस्ट किया, जिसमें ईरान के स्ट्रेटेजिक खर्ग द्वीप को नष्ट होते हुए दिखाया गया है और ट्रंप कह रहे हैं कि महत्वपूर्ण तेल हब को 'चकनाचूर कर दिया गया है'. वीडियो में विस्फोट व बर्बादी दिखाई गई, जिसके बारे में रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसा कुछ हुआ ही नहीं. पेंटागन ने खर्ग द्वीप पर किसी भी हमले की पुष्टि नहीं की है. ट्रंप के मुताबिक 'ईरान तो मर चुका है.

दूसरी ओर रूस व यूक्रेन की जंग भी बंद होने का नाम नहीं ले रही है. इस पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन व ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से अलग-अलग द्विपक्षी मुलाकातें करते हुए अपने शांति की संदेश को पुन: दोहराया और कहा कि अब अंतहीन युद्ध से युद्ध के अंत करने का समय आ गया है. मोदी अन्य विश्व नेताओं के साथ किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में हैं. मोदी व पुतिन की वार्ता से ऐसा प्रतीत होता है कि दोनों नेता दिल्ली व मास्को के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने के पक्ष में हैं. इससे क्या नई दिल्ली व वॉशिंगटन के संबंध प्रभावित होंगे?

ट्रंप को भी दे दिया संकेत

जंग के मैदान पर कोई समाधान नहीं निकलता है'. यह बात भी सही थी कि हल के लिए आखिरकार वार्ता की मेज पर ही आना पड़ता है. लेकिन जंग तो अभी तक जारी है. रूस व ईरान से व्यापार में विस्तार व विविधता लाने से वह ट्रंप को स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि वॉशिंगटन के साथ जो लंबित व्यापार समझौता है, उसे दिल्ली की शर्तों पर स्वीकार किया जाए वर्ना भारत के पास अन्य विकल्प भी खुले हुए हैं.

अमेरिकी सीनेट ने 7 अगस्त को एक विधेयक 86-11 के प्रभावी अंतर से पारित किया, जिसका नाम बदलकर अब लिंडसे ओ ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट कर दिया गया है और जिसके तहत भारत व चीन आदि देशों पर अमेरिका 100 प्रतिशत टैरिफ लगा सकता है, क्योंकि ये रूस के पेट्रोलियम उत्पाद के मुख्य खरीदार हैं. अमेरिका का तर्क है कि इस खरीदारी के चलते ही रूस यूक्रेन के खिलाफ युद्ध जारी रखे हुए है.

इस विधेयक के पारित होने से ट्रंप को यह छूट मिल जाती है कि वह उन देशों के सामान पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाएं, जो रूसी तेल व गैस आयात करते हैं. वर्तमान में रूसी तेल व गैस को आयात करने वाले टॉप 5 देश हैं, चीन, भारत, अजरबैजान, हंगरी और स्लोवाकिया. रूस पर पाबंदियों के अतिरिक्त इस विधेयक की अवधि का विस्तार 2031 तक रहेगा, जो कि ईरान पर पाबंदी कानून, 1996 की एक्सपायरी डेट है. इससे ऐसा प्रतीत होता है कि अमेरिका भारत के विरुद्ध टैरिफ में अतिरिक्त वृद्धि करने जा रहा है, जिसका दिल्ली व वॉशिंगटन के बीच जो व्यापार समझौता संभावित है उस पर भी गहरा असर पड़ सकता है.

पेजेशकियन के साथ मुलाकात में मोदी ने नौपरिवहन व वाणिज्य में आजादी पर बल देते हुए कहा कि किसी भी सूरत में नागरिकों व नागरिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए. मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया का टकराव बातचीत व डिप्लोमेसी से हल किया जाना चाहिए, मोदी का यह कहना एकदम सही है कि 'युद्ध में गुजारा गया प्रत्येक दिन मानवता को पीछे धकेल देता है और शांति की ओर बढ़ाया गया हर कदम मानवता को नई उम्मीद व उत्साह से भर देता है'. लेकिन शांति के इन उपदेशों से किसी के कान पर जूं नहीं रेंग रही है. 2024 में अपनी मास्को और फिर कीव यात्राओं के दौरान भी मोदी ने कहा था कि 'जंग के मैदान पर कोई समाधान नहीं निकलता है', यह बात भी सही थी कि हल के लिए आखिरकार वार्ता की मेज पर ही आना पड़ता है. लेकिन जंग तो अभी तक जारी है.

रूस व ईरान से व्यापार में विस्तार व विविधता लाने से वह ट्रंप को स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि वॉशिंगटन के साथ जो लंबित व्यापार समझौता है, उसे दिल्ली की शर्तों पर स्वीकार किया जाए वर्ना भारत के पास अन्य विकल्प भी खुले हुए हैं.

-विजय कपूर

इकोनॉमी में तेजी, लेकिन चुनौतियां कायम

ईरान युद्ध व ऊर्जा कीमतों में भारी वृद्धि के बावजूद वर्तमान वित्त वर्ष की प्रथम तिमाही में अर्थव्यवस्था में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि होना उत्साहवर्धक व गौरवपूर्ण है. अभी पिछले सप्ताह तक अर्थशास्त्री मानकर चल रहे थे कि भारत की जीडीपी विकास दर अप्रैल-जून तिमाही में 7.1 फीसदी की दर हासिल करेगी. भारतीय रिजर्व बैंक ने तो सिर्फ 7 प्रतिशत दर का अनुमान लगाया था, लेकिन जीडीपी इन अनुमानों से ऊपर चली गई. इससे भारतीय अर्थव्यवस्था की शक्ति का पता चलता है. अब रिजर्व बैंक मानकर चलता है कि पूरे वर्ष में अर्थव्यवस्था के विकास की गति 6.7 प्रतिशत रहेगी. गत वर्ष की पहली तिमाही में स्थिर मूल्य आधारित रीयल जीडीपी 75.46 लाख करोड़ थी, जिसमें 7.8 प्रतिशत वृद्धि होकर वह 81.36 लाख करोड़ पर पहुंच गई. वास्तव में वित्तीय व रीयल एस्टेट, सर्विस सेक्टर व मैन्युफैक्चरिंग में 21.3 प्रतिशत की वृद्धि दर काफी अच्छी रही. आईटी में 19.9 प्रतिशत तथा नॉन आईटी सेवाओं में 12.7 फीसदी की वृद्धि देखी गई. निजी उपभोग में प्रथम तिमाही में 7.1 फीसदी वृद्धि हुई. हीरे-जवाहरात व आभूषणों के अलावा केमिकल व इलेक्ट्रॉनिक्स का निर्यात काफी बढ़ा. अब भारत को ढांचागत सुधारों पर विशेष ध्यान देना होगा. वैश्विक अनिश्चितताओं के दौरान तेल कीमतों में उतार-चढ़ाव तथा सप्लाई चेन की दिक्कतों के बावजूद देश ने ऐसी ग्रोथ हासिल की. अब वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में काफी चुनौतियां हैं. जुलाई में अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया. इस बार वर्षा भी औसत से कम हुई है, जिससे कृषि उत्पादन प्रभावित होगा और खाद्यान्न कीमतें बढ़ सकती हैं. महंगाई को लेकर चिंता व्याप्त है. यद्यपि पिछली बैठक में रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों में परिवर्तन नहीं किया, लेकिन इस वर्ष बाद दरें बढ़ाई जा सकती हैं. ऐसा होने पर उपभोग घटेगा.

गत वर्ष की पहली तिमाही में स्थिर मूल्य आधारित रीयल जीडीपी 75.46 लाख करोड़ थी, जिसमें 7.8 प्रतिशत वृद्धि होकर वह 81.36 लाख करोड़ पर पहुंच गई. वास्तव में वित्तीय व रीयल एस्टेट, सर्विस सेक्टर व मैन्युफैक्चरिंग में 21.3 प्रतिशत की वृद्धि दर काफी अच्छी रही. आईटी में 19.9 प्रतिशत तथा नॉन आईटी सेवाओं में 12.7 फीसदी की वृद्धि देखी गई.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

ग्वालियर चंबल की डायरी

किसान सम्मेलन के जरिए महेन्द्र सिंह ने दिखा दी ताकत, '28' पर नजर

हरीश दुबे

आज सीएम की मौजूदगी में आयोजित बलराम जयंती महोत्सव में किसानों की जबर्दस्त भीड़ जोड़कर महेन्द्र सिंह यादव ने एक बार फिर साबित कर दिया कि अंचल के किसानों पर उनकी पकड़ है और भाजपा मिशन 28 में अंचल के ग्रामीण क्षेत्र में उनके इस प्रभाव का लाभ उठाएगी. शिवराज सरकार के दौर में वे मप्र बीज विकास निगम के चेयरमैन रहे तो मोहन यादव सरकार में उन्हें अपेक्स बैंक के प्रशासक की जिम्मेदारी सौंपी गई है. वैसे महेंद्र सिंह को ग्वालियर ग्रामीण विधानसभा सीट से टिकट का स्वाभाविक दावेदार माना जाता रहा है. 2008 के चुनाव में भाजपा उन्हें इस सीट से चुनाव लड़ा भी चुकी है, तब उन्होंने कांग्रेस को तीसरे नम्बर पर धकेल दिया था. ग्वालियर ग्रामीण से 2013 और 18 में भाजपा के भारत सिंह कुशवाहा लगातार जीतते रहे लेकिन 23 में पराजित होने के छह महीने बाद ही सांसदी का चुनाव जीते थे. संभावना यही है कि भाजपा भारत सिंह को फिर से सांसदी का चुनाव लड़ाएगी, इस तरह विधानसभा चुनाव में महेंद्र सिंह यादव के लिए ग्वालियर ग्रामीण सीट पर टिकट में कोई बाधा नहीं है.

क्या वापस फॉर्म में लौट रहे हैं नरोत्तम

उपचुनाव में पहले टिकट कटने, समर्थकों के बवाल और फिर पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी की पराजय के बाद नरोत्तम मिश्रा की राजनीति को गुजरे जमाने की बात बताने वालों को अपनी धारणा पर पुनर्विचार करना पड़ रहा है. वजह है ओरछा में हुई सत्तारूढ़ दल की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक से जुड़ी एक्टिविटीज में मिश्रा की सक्रियता. प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को नरोत्तम ने प्रदेश के शीर्ष नेताओं के साथ ही बैठकर सुना. बैठक के बाद सीएम जब जहांगीर महल के जीर्णोद्धार कार्य का मुआयना करने पहुंचे तो नरोत्तम उनके साथ थे. बहरहाल, अब पार्टी नेता कह रहे हैं कि उपचुनाव में टिकट कटने के बाद नरोत्तम के समर्थक यदि सड़कों पर उतरकर हुड़दंग नहीं करते तो आज नितिन नवीन की नवीन टीम में नरोत्तम भी होते. 28 के चुनाव में दतिया से नरोत्तम की संभावनाओं पर भी कयास लगाए जा रहे हैं.

बिना कार्यकारिणी के गुजरा शहर सदर का पहला साल

इस सोलह अगस्त को सुरेन्द्र यादव ने कांग्रेस शहर सदर के अपने कार्यकाल का एक बरस पूरा कर लिया. इसी के साथ उनका नाम भी उन कांग्रेस जिलाध्यक्षों की फेहरिस्त में शुमार हो गया जिन्होंने अपने कार्यकाल का ज्यादातर वक्त बिना कार्यकारिणी के बिताया. हालांकि कुछ महीने पहले शहर सदर एवं स्थानीय वरिष्ठ नेताओं की सहमति से तैयार की गई जिला कार्यकारिणी की सूची भोपाल जवाहर भवन से जारी हुई लेकिन इस सूची के ग्वालियर आते ही बगावत हो गई. कार्यकारिणी में बड़े ओहदों से नवाजे गए कई नेताओं ने पार्टी के इस कार्यकारी निकाय से रुखसत होने का ऐलान कर दिया, कई सक्रिय चेहरे कार्यकारिणी से गायब दिखे. इससे पहले कि बगावत और ज्यादा फैलती, इस कार्यकारिणी सूची को जीतू पटवारी ने वापस ले लिया. तब कहा गया था कि नई संशोधित सूची कुछ ही हफ्तों में आएगी लेकिन अब महीने बीत गए हैं.

...और 'लॉक' हो गया हेरिटेज ट्रेन का सपना

ग्वालियर को हेरिटेज ट्रेन मिलने की उम्मीद अब पूरी तरह खत्म हो गई है. वजह यह कि रेलवे ने ग्वालियर से बानमौर के बीच में बिछे बीस किमी लंबे नैरोगेज ट्रैक को उखाड़ने की पूरी तैयारी कर ली है. ग्वालियर से श्योपुर तक दौड़ने वाली सवा सौ साल पुरानी नैरोगेज ट्रेन कोरोना काल में बंद हो गई थी. कोरोना बीता लेकिन ट्रेन चालू नहीं हुई. ग्वालियर से चंबल के बीच की लाइफलाइन मानी जाने वाली नैरोगेज ट्रेन स्थायी रूप से बंद किए जाने से नाराज लोगों को इसी नैरोगेज ट्रैक पर घोसीपुरा से बानमौर के बीच शाही सुविधाओं वाली दो कोच वाली हेरिटेज ट्रेन चलाए जाने का सिर्फ़ सपना ही नहीं दिखाया गया बल्कि शानदार सुविधाओं वाले दो कोच भी हेरिटेज ट्रेन के लिए सज धज कर ग्वालियर आ गए. हेरिटेज ट्रेन से जुड़ी जिम्मेदारी संभालने वाले रेलवे के बड़े अफसरों ने भी ग्वालियर आकर सर्वे पूरा कर लिया. फिलहाल, यह बात लोगों की समझ से परे है कि अचानक ऐसा क्या हुआ कि रेलवे ने अब न सिर्फ ग्वालियर में यह शाही ट्रेन चलाने से इंकार कर दिया है बल्कि भविष्य की भी संभावनाओं को लॉक करते हुए नैरोगेज ट्रैक को उखाड़ने के लिए टेंडर जारी करने की तैयारी शुरू हो गई है.

निशानेबाज

कौन था मनु यह पता नहीं, फिर भी जलाते मनुस्मृति

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, हम जानना चाहते हैं कि मनु कौन था और बार-बार मनुस्मृति क्यों जलाई जाती है? हमें स्मृति ईरानी के बारे में तो मालूम है, मनुस्मृति के बारे में कुछ भी नहीं पता! स्मृति माने याददाश्त या मेमोरी! किसी की स्मृति अच्छी रहती है तो कुछ लोग भुलक्कड़ रहते हैं. जब किसी की स्मृति पूरी तरह जवाब दे जाती है तो डॉक्टर कहते हैं कि उसे स्मृतिभ्रंश हो गया. फिलहाल आप हमें मनु के बारे में बताइए जिसकी स्मृति को बार-बार जलाया जाता है.'

हमने कहा, 'पहले तो लोगों को यही नहीं पता कि वह किस मनु की स्मृति जला रहे हैं क्योंकि मनु अनेक हुए हैं जैसे कि वैवस्वत मनु, अंगिरा मनु, सावर्णी मनु वगैरह. महान साहित्यकार जयशंकर प्रसाद की अमर रचना का नाम है 'कामायनी' जिसे हिंदी में एमए करने वाले छात्र पढ़ते हैं. उसमें मनु और इला का उल्लेख है. मनु का अर्थ है प्रथम मानव जिससे सृष्टि उत्पन्न हुई. बाइबिल में प्रथम युगल को एडम एंड ईव तथा इस्लाम में आदम और हौवा कहा गया है. मनु ब्रम्हा के पुत्र थे.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, आपके पास इतनी जानकारी है तो आप पक्के मनुवादी हैं. आपकी बातें हमें कन्फ्यूज कर रही हैं फिर भी कुछ और जानकारी दीजिए.'

हमने कहा, 'मनु की कथा भगवान विष्णु के मत्स्यावतार जुड़ी है. राजा मनु को नदी में स्नान करते समय एक मछली मिली. उन्होंने उसे एक सरोवर में डाल दिया. मछली का आकार बहुत से तेजी से बढ़ गया तो फिर उसे समुद्र में डलवा दिया. मछली ने मनु से कहा कि प्रलय आने वाला है. सृष्टि जल में डूब जाएगी. ऐसे समय मैं तुम्हें बचाऊंगी. मनु ने सृष्टि के सारे प्राणी अपने साथ लिए और एक बहुत बड़ी नौका में सवार हो गए. वह मछली उस नौका को खींचकर हिमालय पर्वत की ऊंचाई पर ले गई और सबकी प्राणरक्षा हो गई. मनु और उनकी पत्नी शतरूपा ने घनघोर तपस्या की और भगवान विष्णु से वरदान मांगा कि वह उनके यहां पुत्र रूप में जन्म लें. अगले जन्म में मनु और शतरूपा राजा दशरथ और कौशल्या बने. उनके यहां भगवान विष्णु ने राम के रूप में अवतार लिया. मनु के नाम पर कालगणना होती है. हर मन्वंतर में एक मनु होता है. एक मन्वंतर 30 करोड़ वर्ष से भी ज्यादा का होता है. उसमें 71 चतुर्युग (सतयुग, त्रेता, द्वापर और कलियुग) होते हैं.' पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, किसी भी मनुस्मृति जलाने वाले को यह सारी बातें मालूम नहीं हैं. यह नहीं मिलती तो लोग इसके नाम पर कोई पुरानी किताब या रेलवे टाइमटेबल जला डालते हैं.'

शब्द-सागर 12368

- डॉ. सागर खादीवाला

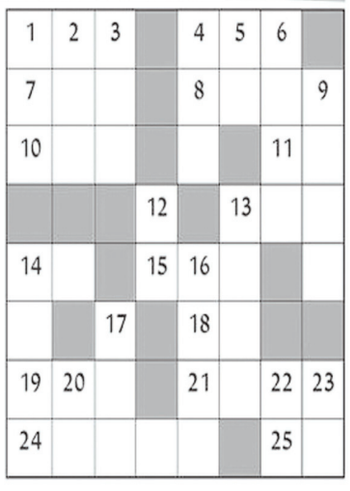

ऊपर से नीचे
1. खान से उत्पन्न पदार्थ2. वायु रहित, शांत, स्थिर 3. कथन, वचन, कहावत 4. खान 5. नगीना, अदद 6. गायब, लुप्त, खाली 9. लाली, सुर्खी, एक प्रकार का धान 12. चतुर्वेदी 13. गड़बड़, संदिग्ध 14. राजनीति 16. सूर्य, दिनकर 17. आदर, साहित्य 20. पुरुष, मर्द, मनुष्य 22. पितामह, बड़ा भाई 23. कण, दाना, कोणाकार टुकड़े

बाएं से दाएं
1.गड्ढा या खान खोदने वाला व्यक्ति 4. खोदना, खुदाई 7. वहन करना, निबाहना 8. कलंकित, दाग वाला 10. यत्न 11. लीन, लिप्त 13. नील या कोयले से किसी अंग पर बना चिन्ह, चुभाना 14. बदला, इनाम 15. उदास, खिन्न, जिसका दिल टूट गया हो 18. स्त्री, दुर्गा, गौरी, श्रृंगाली (सं.) 19. प्रमाण-पत्र, प्रामाणिक कथन 21. कल से ढला हुआ सिक्का 24. अधिक भीगा हुआ 25. गर्वोक्ति, हक, न्याय हेतु न्यायालय में दिया गया प्रार्थना पत्र

Solution 12367

च	र	प	रा		ब	ह	ना
क	स	र		अ	म	रा	ई
रा		दे	हां	त		र	
ना		श	क	ल		त	म
	खु		ना		स		म
आ	श	ना		पु	रा	त	त्व
सा	रं	ग		का	य	र	
र	ग		ज्ञ	र		ल	त

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में आजीविका के क्षेत्र में दौड़धूप और परिश्रम करना होगी. व्यर्थ मनमुटाव रहेगा. वाद विवाद से बचने का प्रयास करें. शिक्षा में व्यवधान होगा. वर्ष के मध्य में शासन सत्ता से सुख शुभ सूचना प्राप्त होगी. नौकरी व्यवसाय में सफलता मिलेगी. वर्ष के अन्त में विशेष वृद्धि होगी. संतान का सुख प्राप्त होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शासन से शुभ सूचना प्राप्त होगी. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को स्थाई संपत्ति में वृद्धि होगी. कर्क राशि के व्यक्तियों को नौकरी व व्यवसाय में सफलता मिलेगी. सिंह राशि के व्यक्तियों को परिश्रम की अधिकता रहेगी. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को आजीविका के क्षेत्र में परिश्रम होगा. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को नियोजित कार्यों में सफलता प्राप्त होगी. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को व्यापार में लाभ प्राप्त होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक कोमल शरीर, भावुक होगा. स्वास्थ्य कुछ नरम गरम रहेगा 20 वर्ष के बाद स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. जो भी बात करेगा, वह बड़ी चतुराई और गंभीरता के साथ बुद्धिमानी से परिपूर्ण होगी. विद्या के क्षेत्र में रूचि रहेगी. दूसरों पर अधिक भरोसा करेगा, पिता का भक्त होगा.

मेष- शासन सत्ता से सहयोग मिलेगा राजनैतिक समस्याओं का समाधान होगा. आर्थिक कार्य बनेगा. निजी लोगों से परेशानी होगी.

वृषभ- मशीनरी प्रयोग में सावधानी रखें. जोखिम के कार्यों से बचने का प्रयास करें. सुविधा की कमी से काम में मुश्किल हो सकती है, लाभ कम होगा.

मिथुन- विपरीत माहौल में भी खुद के लिये अनुकूलता बना लेंगे. व्यापार व्यवसाय अच्छा रहेगा. दूसरों से अपेक्षित सहयोग मिलेगा.

कर्क- किसी प्रिय व्यक्ति से विश्वासघात हो सकता है. पुवृषभ समस्याओं का समाधान होगा. शत्रु वर्ग सक्रिय रहेगा. मित्र वर्ग मदद करेंगे.

सिंह- संतान पक्ष से सुख एवं संतोष रहेगा. लेखन, अध्ययन, एवं मनोरंजन, के कार्यों में रूचि रहेगी. जोखिम के कार्यों में न उलझें. परिश्रम अधिक होगा.

कन्या- वैभव विलासिता की वस्तुओं का संचय होगा. धन खर्च होगा. मतभेद संभाव्य है. दूसरों के कारण आपको परेशानी हो सकती है. धैर्य रखें.

तुला- विवादित मसले सुलझने के आसार हैं. नौकर चाकरों एवं अधिनस्थ वर्ग के कार्यों में संतोष रहेगा. परिश्रम अधिक करना होगा.

वृश्चिक- धीमी गति से चल रही योजनाओं पर ध्यान दें. मित्रों एवं कुटुम्बियों के साथ संबंधों में उत्साह बना रहेगा. विवाद की स्थिति से बचें.

धनु- कैरियर में प्रस्ताव मिलने के आसार है. संतान के स्वास्थ्य की चिन्ता रह सकती है. जमीन जायजाद के कार्यों में खर्च होगा. खान पान पर नियंत्रण रखें.

मकर- न चाहते हुये भी समझौता करना पड़ सकता है. आय एवं व्यय में समानता रहेगी. दैनिक कामकाज की रूपरेखा बनेगी. स्वास्थ्य में सुधार होगा.

कुम्भ- स्थाई एवं अन्य साधनों में लाभ प्राप्त होगा. मनोवांछित सफलता मिलेगी. विरोधी उलझाने का प्रयास करेंगे. कारोबारी यात्रा होगी.

मीन- अपनों की मदद करके खुश होंगे. भाग्यवर्धक समाचारों की प्राप्ति होगी. स्वास्थ्य संबंधी कष्ट दूर होगा. महत्वपूर्ण कार्य बनेंगे. निजी लोगों से परेशानी होगी.

उदयकालीन ग्रह चाल

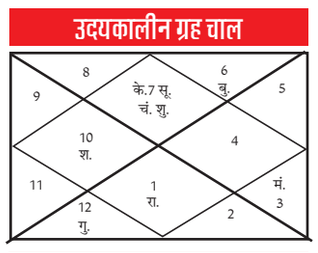

पंचांग

रा.मि. 12 संवत् 2083 भाद्रपद कृष्ण सप्तमीं गुरूवासरे रात 1/33, कृतिका नक्षत्रे रात 12/45, व्याघात योगे रात 7/48, विष्टि करणे सू.उ. 5/45, सू.अ. 6/15, चन्द्रचार मेष दिन 7/52 से वृषभ, शु.रा. 2, 4, 5, 8, 9, 12 अ.रा. 3, 6, 7, 10, 11, 1 शुभांक- 4, 6, 0.

व्यापार भविष्य

भाद्रपद कृष्ण सप्तमीं को कृतिका नक्षत्र के प्रभाव से चांदी, तांबा, रूई, कपास, तिलहन, आदि में तेजी का योग है. वायदा विचार आज पिछले भाव में नीचे टूटे होंगे, उसी में जोरदार तेजी होगी. हल्दी, ज्वार, बाजरा, आदि से नरमी रहेगी. भाग्यांक 1473 है.

SUDOKU 7500

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7499

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1